



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 419] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 11, 1981/भाद्र 20, 1903
No. 419] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 11, 1981/BHADRA 20, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 11 सितम्बर 1981

क्र० आ० 695(अ)--19 कक/ओ वि० वि० अ०/81--केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के सतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 542 (अ)/18 कक ओ वि० वि० अ०/74, तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा अमृतसर शूगर मिल्स कंपनी लिमिटेड, अमृतसर नामक औद्योगिक उपक्रम के एक कारखाने अमृतसर आयल वर्क्स अमृतसर का 12 सितम्बर, 1979 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्रबंध बोर्ड नामक एक व्यक्ति-निकाय को प्राधिकृत किया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 454 (अ), तारीख 18 जुलाई 1979 द्वारा 12 सितम्बर, 1979 तक कि जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए उक्त प्रबंध बोर्ड का स्थान एक नए प्रबंध बोर्ड ने ले लिया था, और भारत सरकार से उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 525 (अ)/18कक/ओ वि० वि० अ०/79 तारीख 11 सितम्बर, 1979 द्वारा तारीख 13 सितम्बर 1974 और 18 जुलाई, 1979 के उक्त दोनों आदेशों की अवधि 12 सितम्बर, 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी।

713 GI/81

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि क्रमशः तारीख 13 सितम्बर, 1974 और 18 जुलाई, 1979 के उक्त दोनों आदेश छह मास की और अवधि तक प्रभावी बने रहें।

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और जलियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) को द्वारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करन हुए, निदेश देती है कि तारीख 13 सितम्बर, 1974 और 18 जुलाई, 1979 के उक्त दोनों आदेश 12 मार्च, 1982 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए प्रभावी बने रहेंगे।

[क्र० सं० 4(5)/80-वी० यू० ए०]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 11th September, 1981

S.O. 695(E)/18AA/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the Central Government had authorised a body of persons known as the Board of Management, to take over the management of Amritsar Oil Works, Amritsar, a factory of the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Limited, Amritsar, for a period of five years upto and inclusive of the 12th September, 1979;

(1201)

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 454(E), dated the 18th July, 1978, the said Board of Management was replaced by a new Board of Management for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 525(E)/18AA/IDRA/79, dated the 11th September, 1979, the period of the said two Orders dated the 13th September, 1974, and the 18th July, 1978, was extended upto and inclusive of the 12th September, 1981;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said two Orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978, respectively, should continue to have effect for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said two Orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th March, 1982.

[F. No. 4(5)/80-CUS]

का० आ० 696/अ) /18 चख/प्रो. वि० वि० अग्रि०—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 542 (अ)/18 कक/प्रो वि० वि० आ०/74, ता० 13 सितम्बर, 1974 द्वारा यह प्राधिकृत किया गया था कि 'अमृतसर शर्करा मिल' कंपनी लिमिटेड, अमृतसर नाम के औद्योगिक उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त उपक्रम कहा गया है), जहाँ तक कि उसका संबंध अमृतसर आयल वर्क्स, अमृतसर नामक कारखाने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त कारखाना कहा गया है) से है, का प्रबन्ध 13 सितम्बर, 1974 से प्रारंभ होने वाली पाँच वर्ष की अवधि के लिए प्रबन्ध बोर्ड नामक व्यक्ति निकाय द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक के अधीन ग्रहण किया जाए ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० 454 (अ) तारीख 18 जुलाई, 1978 द्वारा 12 सितम्बर 1979 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए उक्त व्यक्ति निकाय का स्थान एक नया निकाय ने ले लिया था ;

और भारत के उद्योग मंत्रालय औद्योगिक (विकास) विभाग के आदेश सं० का० आ० 525 (अ) तारीख 11 सितम्बर, 1979 द्वारा, तारीख 13 सितम्बर 1974 और 18 जुलाई 1978 के उक्त दोनों आदेश 12 सितम्बर, 1981 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है के लिए प्रभावी बने रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार व. भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 566 (अ), तारीख 1 अक्टूबर, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 18 चख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह घोषणा की थी कि—

(क) 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश की अनुसूची में विनिर्दिष्ट, यथा स्थिति, अधिनियमितियाँ, या उनके भाग उक्त उपक्रम को, जहाँ तक उनका संबंध उक्त कारखाने से है, लागू नहीं होंगे, और

(ख) सभी प्रवृत्त संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आवेशों या लिखतों या (उनको छोड़ कर जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत वाधिर्यों से संबंधित हैं) प्रवर्तन, जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है और जहाँ तक कि वे उक्त कारखाने से संबंधित हैं, या जो 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हो सकने

हैं, और उक्त तारीख से पूर्व उनके अर्धन प्रोदत्त या उद्भूत भाग होने सभी अधिवार, विशेषाधिकार ग्राह्यताएँ, और वास्तव्य 1 अक्टूबर, 1975 से प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश का० आ० सं० 776 (अ) तारीख 12 सितम्बर, 1980 द्वारा 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश की अवधि 12 सितम्बर 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि तारीख 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश की अवधि को 12 मार्च, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त आदेश की अवधि को 12 मार्च, 1982 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए और बढ़ाती है।

[फा० सं० 4/5/80 सी० यू० एस०]

सी० के० मादी, सयुक्त सचिव

S.O. 696(E)/18FB/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. 542(E)/18AA/IDRA/74, dated the 13th September, 1974, the management of the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Limited, Amritsar (hereinafter referred to as the said undertaking) in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsar (hereinafter referred to as the said factory) was authorised to be taken over by a body of persons known as the Board of Management under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of 5 years commencing from the 13th September, 1974;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. 454(E), dated the 18th July, 1978 the said body of persons was replaced by a new body for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 525(E), dated the 11th September, 1979, the said two orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1981;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 566(E), dated the 1st October, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that—

(a) the enactments, or portions thereof, as the case may be, specified in the Schedule to the said Order dated the 1st October, 1975, shall not apply to the said undertaking in so far as it relates to the said factory, and

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party in so far as they related to the said factory or which may be applicable to it immediately before the date of publication of the said Order dated the 1st October, 1975 in the Official Gazette and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year commencing from the 1st October, 1975;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Development of Industrial Development) No. S.O. 776(E), dated the 12th September, 1980, the duration of the said order dated the 1st October, 1975, was extended upto and inclusive of the 12th September, 1981;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, should be extended by a further period upto and inclusive of the 12th March, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, for a further period upto and inclusive of the 12th March, 1982.

[F. No. 4/5/80-CUS.]

C. K. MODI, Jt. Secy.

